

प्रेषक,  
सौरभ जैन,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,  
निदेशक,  
उरेड़ा,  
देहरादून।

देहरादून : दिनांक : 14 जनवरी, 2010

ऊर्जा अनुभाग-1

विषय :- बूंदी लघु जल विद्युत परियोजना, क्षमता 50 किलोवाट के निर्माण हेतु वित्तीय एवम् प्रशासनिक स्वीकृति।

महोदय,

शासनादेश सं०-4196/1/2007-03/(03)/2/06 दि०-08.01.08 के क्रम में उपर्युक्त विषयक अपने पत्र सं०-409/उरेड़ा/4(1)-218/बूंदी/2007 दि०-29.05.2008, सं०-598/उरेड़ा/4(1)-218/बूंदी/2007 दि०-25.06.2008, सं०-1875/उरेड़ा/4(1)-218/बूंदी/08 दि०-28.11.08 एवं पत्र सं०-2330/उरेड़ा/4(1)-135/ग्रा०स०/2001 दि०-27.11.2009 का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है बूंदी लघु जल विद्युत परियोजना, जनपद-पिथौरागढ़ हेतु आपके उक्त सन्दर्भित पत्र दिनांक 29.05.2008 द्वारा कुल आगणित धनराशि रू०-141.00 लाख के सापेक्ष वित्त विभाग की टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रू० 103.82 लाख (रू० एक सौ तीन लाख बयासी हजार मात्र) की प्रशासकीय एवम् वित्तीय स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अनुमति प्रदान करते हैं :-

1. कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
2. आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों का, जो दरें शैड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव

क्रमशः.....

(2)

भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता/सक्षम अधिकारी का अनुमोदन आवश्यक होगा।

3. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितनी राशि स्वीकृत की गयी है, स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
4. एक मुश्त प्राविधानों को, कार्य करने से पूर्व, विस्तृत ब्योरा गठित कर सक्षम प्राधिकारी से अनुमोदन कराना आवश्यक होगा।
5. कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्यों को सम्पादित किया जाय।
6. आगणन में जिन मदों हेतु जो धनराशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
7. निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा लिया जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।
8. आगणन में ली गयी मदों की आपूर्ति, वृहद् प्रचार-प्रसार के उपरान्त प्रतिस्पर्धात्मक दरों के आधार पर ली जाय।
9. परियोजना पर व्यय करते समय बजट मैनुअल, वित्तीय पुस्तिका, स्टोर चर्चज रूल्स, DGM&D अथवा टेंडर/कुटेशन विषयक नियम एवम् मितव्ययता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों का पालन करते हुये व्यय किया जायेगा। मितव्ययता की मदों में कटौती करने के प्रयास किये जायेंगे।
10. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश 2047/XIV-219(2006) दिनांक 30-05-2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कार्य कराते समय या आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।
11. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय व्ययक के अनुदान संख्या 21 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2810-वैकल्पिक ऊर्जा-60 ऊर्जा के अन्य स्रोत-800 अन्य व्यय-01 केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्रीय पुरोनिधानित

क्रमशः.....



(3)

योजना के अन्तर्गत अंशपोषित योजनायें-01-लघु जल विद्युत एवं सुधारित घराट  
योजना-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता शीर्षक/मद के अन्तर्गत  
आवंटित धनराशि व प्राप्त केन्द्रांश के सापेक्ष किया जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय सं०-872 दिनांक 31 दिसम्बर, 2009 को  
प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(सौरभ जैन)  
अपर सचिव

संख्या :- 108 /1/2010-03(8)/34/08, तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, ओबरोय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
3. टी०ए०सी० (वित्त), उत्तराखण्ड शासन।
4. वित्त अनुभाग-2,
5. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. गार्ड फाईल।
7. प्रभारी अधिकारी, मीडिया सेन्टर, सचिवालय परिसर, देहरादून।

आज्ञा से,

(एम०एम० सेनवाल)  
अनु सचिव